डिजीटल पत्र

कांग्रेस दर्पण

दैनिक

पटना, 13 अप्रैल, गुरुवार, 2023

विपक्षी एकता का सूत्रधार बनेगा बिहार

पटना। कांग्रेस दर्पण

देश में बढ़ती हुई कमरतोड़ मंहगाई, चरम सीमा पर पहुंची बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, घोटाला , के साथ, साथ लोकतंत्र का गला घोंटने, संवैधानिक संस्थानों को पालतू तोता बनाने के केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई को तेज करने तथा आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष की चट्टानी एकता बना कर मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में आयोजित बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा अखिलेश प्रसाद सिंह, सहित राजद, जदयू के वरिष्ठ नेताओ की रणनीति विपक्षी एकता का सूत्रधार बनेगा ।

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश

प्रतिनिधि सह क्षेत्रीय प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिठू, पूर्व विधायक मो खान अली, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राम प्रमोद सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, शिव कुमार चौरसिया, उदय शंकर पालित, धर्मेंद्र कुमार निराला, बाल्मिकी प्रसाद, जगरूप यादव, जितेंद्र यादव, मो समद, असरफ इमाम, दामोदर गोस्वामी, विनोद उपाध्याय, सुजीत कुमार गुप्ता, राजेश अग्रवाल, विपिन बिहारी सिन्हा, कुंदन कुमार, विशाल कुमार, मो शमीम, अमरजीत कुमार, टिंकू गिरी, आदि ने कहा की बिहार देश के राजनीति, सामाजिक रूप से सबसे उर्वरा भूमि रही है, जहां से देश की आजादी की लड़ाई से लेकर सभी आंदोलनों, बड़े, बड़े परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभाई है।

नेताओ ने कहा की बिहार के सभी प्रमुख दलों के नेताओ ने कांग्रेस पार्टी के साथ कदम से कदम मिलाकर संपूर्ण देश में भाजपा, आर एस एस से धारदार लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराया है।

नेताओ ने कहा की कांग्रेस पार्टी की कानूनी एवम् राजनीतिक लड़ाई को भी सभी समान विचारधाराओं वाली पार्टियां संसद से सड़क तक मोदी सरकार के इसरे पर आनन फानन में राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करने, तथा अडानी प्रकरण महाघोटाले की जेपीसी जांच की मांग की लड़ाई में साथ दे रही है।

विजय कुमार मिठू

गांधी परिवार हमें सत्ता दो नहीं तो छोड़ देंगे कांग्रेस पार्टी

पटना। कांग्रेस दर्पण

2014 के बाद ऐसे महत्वाकांक्षी नेताओं की लंबी सूची बनती जा रही है।

जो राजभोग के बिना जीवित नहीं रह सकते।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह

कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद

ज्योतिरादित्य सिंधिया,

जितिन प्रसाद

कपिल सिब्बल

सुष्मिता देव

हार्दिक पटेल

सुनील जाखड़

अश्विनी कुमार(जिसे कभी 37 साल की उम्र में कांग्रेस ने सॉलीसीटर जनरल बनाया)

आरपीएन सिंह

जयवीर शेरगिल कुलदीप बिश्नोई मनप्रीत सिंह बादल

जैसे नेता पार्टी छोड़ अन्यत्र चले गए मंत्री बनने।

केंद्रीय सत्ता के जरिये जन सेवा, देश निर्माण खातिर त्याग,समर्पण,बलिदान, संघर्ष,का प्रतिरूप गाँधी परिवार रहा है।आजादी के पहले आजादी के बाद तक।

वैसे तो कांग्रेस के इतिहास में 64 बार कांग्रेस से अलग होकर नेताओं ने बनाई अलग पार्टी।

आजाद 65 वें नेता हैं जिन्होंने कश्मीर में नई पार्टी बनाई। गांधी परिवार सत्ता दो नहीं तो छोड़ देंगे पार्टी ऐसे कांग्रेसी नेताओं की लंबी सूची है।

भारत देश में है 2014 के बाद यही रील चल रहा है। कांग्रेस के भीतर शायद अगले महत्वाकांक्षी नेता सचिन पायलट साबित हों। अधिकांश नेताओं ने राहुल गांधी पर आरोप लगाकर इस्तीफा दिया। क्योंकि मोदी की अलोकतांत्रिक धार से राहुल गांधी एकमात्र नेता टकराते रहे हैं। 2014 के बाद और सारे के सारे नेता मोदी सरकार की कठपुतली अथवा यश मेन। अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठ कर सचिन पायलट अशोक गहलोत के उन बयानों को सही ठहरा दिया जिनमें वह बार–बार पायलट को बगावती बताया करते थे। हालांकि अभी यह कहा नहीं जा सकता कि पायलट के इन तीखे तेवरों में भारतीय जनता पार्टी का मिर्च मशाला शामिल है या नहीं या नई पार्टी की बुनियाद की ईंटें ? हो सकता है,यह गुस्सा राहुल गांधी के उस गुस्से की तरह हो जिसमें उन्होंने एक विधेयक के मसौदे को सरेआम फाड़ कर फेंक दिया था,जब सचिन पायलट ने कहा कि मैं भी राहुल गांधी की तरह भ्रष्टाचार का विरोध कर रहा हूँ,तो उनका इशारा इसी तरह रहा होगा। अगर कांग्रेस में ही रहना है तो पायलट की स्थिति अब और भी कमजोर हो जाएगी। क्योंकि पार्टी के वफादारी का मेडल शुरू से ही गहलोत ने अपने पास सुरक्षित रखा है।सचिन पायलट के अनशन के बाद वफादारी के अशोक गहलोत के मेडल में और चमक आ जाएगी। हालांकि सचिन पायलट इतने कच्चे खिलाड़ी भी नहीं हैं। अपना ही बैट विकेट में मार कर आउट हो जाएं। आगे के लिए कुछ न कुछ बड़ा तो सोचा ही होगा। राजनीति के प्रेक्षक तो कह रहे हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को किनारा करने के लिए भाजपा के ही कुछ लोगों ने पायलट को उकसाया है। सच क्या है यह तो कुछ और परते खुलने पर ही पता चल पाएगा। होना तो यह था कि जिस तरह दरवाजे के दो पट मिलकर एक हो जाते हैं। वैसे ही चुनाव तक गहलोत और पायलट को एक हो जाना था। लेकिन राजनीति में कब क्या हो जाए, क्या स्कूल जाए इसका पता नहीं रहता। महत्वाकांक्षी बनने में कोई बुराई नहीं है लेकिन जो लोग महत्वाकांक्षी होते हैं। धीरे इनको आदत पड़ जाती है। कि हर हाल में सफल होना है।

और फिर महत्वाकांक्षी,, किसी रिश्ते को नहीं मानता। यहां रिश्ते से आशय है राहुल गांधी–प्रियंका गांधी के बीच में भाई की तरह बैठने वाला ज्योतिरादित्य सिंधिया आज मोदी–शाह के पीछे खड़ा रहने वाला नेता बन गया है। जिसे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी तवज्जो नहीं दे रहा है। सचिन पायलट भी राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के चहेते नेताओं में से हैं।

फिर भी राजभोग के लिए इस तरह की हरकत अशोभनीय है। अनशन कार्यक्रम में मंच के पीछे वैसा नेता भी दिखाई दिया जो आदरणीय सोनिया गांधी एवम राहुल गांधी की निंदा सार्वजनिक मंचों से कई बार किया है। इसलिए कांग्रेस पार्टी के हित में पार्टी के सचिन का तेवर निश्चित रूप से हम कहें या राजनीति की गहराई से कहें,तो पायलट ने जल्दी करदी.....

कहीं सचिन भी गाँधी परिवार से सत्ता माँगने के फेर में कांग्रेस छोड़ ना दे.....

...रणजीत कुमार मुखिया जी,पूर्व जिला सचिव बेगूसराय काँग्रेस कमिटी।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के नेताओं का गाँधी आश्रम में संवाद कार्यक्रम

पटना।कांग्रेस दर्पण

बेगूसराय काँग्रेस के नूर एआईसीसी सदस्य पूर्व जिलाध्यक्ष अभय कुमार सारजन ने भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के नेताओं को गाँधी आश्रम में आमंत्रित कर संवाद कार्यक्रम चलाया। जीडी कॉलेज इकाई के अध्यक्ष राजेश कुमार,सचिव शुभांगी कुमारी,स्वप्निल सोनू,पवन गाँधी,बलराम कुमार,सार्थक कुमार,प्रिंस कुमार,युबा नेता गोपाल कुमार ने कॉलेज से सम्बंधित कई विषयों पर विस्तार से अपनी बात रखी। सबों ने एक स्वर से दिनकर विश्व विद्यालय खोलने पर जोर दिया। ऑनलाइन एडमिशन प्रक्रिया में जिले के छात्र जीडी कॉलेज,कॉपरेटिव कॉलेज,महिला कॉलेज में पढ़ाई से बंचित रह जाते हैं। उनके लिए स्थानीय कोटा निर्धारण के लिए चरणबद्ध आंदोलन की बात सामने आई। छात्र सम्बोधन के बाद सारजन जी ने कहा आप निष्ठावान होकर पार्टी हित में छात्र हित में लड़ाई लड़िए हम आपके साथ हैं।दिनकर विश्वविद्यालय की लड़ाई हम लड़ेंगे। अधिक से अधिक युबाओं को पार्टी से जोड़ना आपका काम जटिल से जटिल छात्र हित के आन्दोलन में जो कठिनाई आएगी हम अगली पंक्ति में खड़े मिलेंगे।। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सदस्य रामविलास सिंह ने कहा युबा काँग्रेस–एनएसयूआई जब– जब अंगराई ली है –– देश में सत्ता परिवर्त्तन हुआ है। सदस्य द्वय शशि शेखर राय ने अपने जोशीले भाषण से युबाओं को

झकझोरा। युबा संवाद को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामचन्द्र सिंह,राजदेव सिंह,मटिहानी प्रखंड अध्यक्ष रामानुज कुँवर, नगर काँग्रेस अध्यक्ष ब्रजेश कुमार प्रिंस,पूर्व जिला सचिव रणजीत कुमार मुखिया जी सोशल मीडिया सेल के जिलाध्यक्ष कुशमेश कुमार ने भी संबोधित किया। संचालन युबा नेता विक्रम कुमार ने किया।

बीपी मंडल पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा गुरुवार को

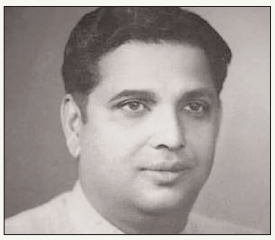

ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के मनोविज्ञान विभाग में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सेहत केंद्र के तत्वावधान में बी. पी. मंडल की पुण्यतिथि पर गुरुवार को अ. 12:15 बजे से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. कैलाश प्रसाद यादव करेंगे। संचालन मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर कुमार मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर करेंगे।

परिचर्चा शुक्रवार को

बीएनएमयू, मधेपुरा के तत्वावधान में भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को अ. 12:30 बजे से वर्तमान परिप्रेक्ष्य में डॉ. अंबेडकर विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया है। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. आर. के. पी. रमण करेंगे। कुलपति प्रो. आर. के. पी. रमण के आदेशानुसार कुलसचिव डॉ. मिहिर कुमार ठाकुर ने सभी पदाधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया है।

भोजपुर के युवाओं के साथ हम मशाल जुलुस में भोजपुर जिला युवा कांग्रेस अध्यक्षः श्रीमती सुशीला देवी

पटना।कांग्रेस दर्पण

भोजपुर जिला के सैकड़ो युवाओं के साथ पटना में हो रहे मशाल जुलुस में श्रीमती सुशीला देवी ने भाग ली उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीबी जी के नेतृत्व में हम युवा कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं यह लोकतंत्र का मशाल है तानाशाह सरकार इसे बुझा नहीं सकती उनके साथ जिला महासचिव सुनील कुमार, आरा प्रखण्ड अध्यक्ष चंदन कुमार, जिला सचिव उमेश शर्मा, रंजीत राय और भारी संख्याओं में युवा महिलाएं और युवाओं नेता ने भाग लिया।

बिहार के प्रशिक्षित युवाओं में एक नये ऊर्जा का संचार हुआ है

पटना।कांग्रेस दर्पण

शिक्षक भरती नियमावली2023बिहार मंत्रिमंडल द्वारा पारित होने से बिहार के प्रशिक्षित युवाओं में एक नये ऊर्जा का संचार हुआ है।नियमावली में उन सारे मांगो को सम्मलित किया गया है जिसकी मांग लगातार शिक्षक अभ्यर्थी कर रहे थे।लेकिन भाजपा नेताओं द्वारा शिक्षक अभ्यर्थी को दिग्भर्मित करने के लिए बिहार मंत्रिमंडल द्वारा पारित नियमावली का विरोध किया जा रहा है।ऐसे भ्रमजाल में शिक्षक अभ्यर्थी को नही फसना है और पूरे तन मन से बी पी एस सी द्वारा संचालित होने वाली सुपर टेस्ट की तैयारी में लग जाये।नियमावली में सारे अवरोधों को दूर करने का प्रयास किया गया है।अतः सरकार का यह फैशला स्वागत योग्य है।सुरेश प्रसाद यादव, अध्यक्ष मंदार एडुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट बाराहाट।सह अध्यक्ष बिहार प्रदेश इंडियन कांग्रेस ब्रिगेड।

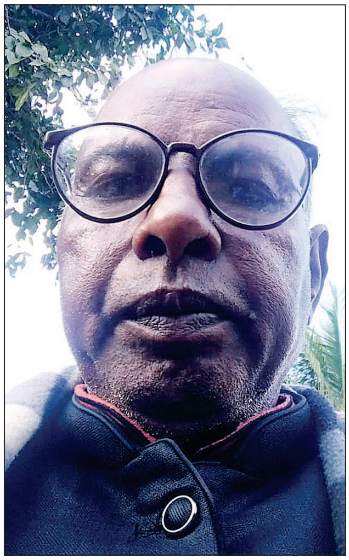

13 अप्रैल जलियांवाला बाग़ हत्याकांड स्मृति दिवस बैसाखी का वो दिन आज भी जख्मों के निशां ताज़ा कर देता है

इंजीनियर मोहिउद्दीन खान

पटना। । जलियांवाला बाग हत्याकांड – बैसाखी का वो दिन आज भी जख्मों के निशां ताज़ा कर देता है 13 अप्रैल 1919 का वो दिन, पंजाब के अमृतसर में जलियांवाला बाग नाम की एक जगह और ब्रिटिश सैनिकों के हाथों से महज 10 मिनट में चली थी कुल 1650 राउंड गोलियां... मौका था अंग्रेजों की दमनकारी नीति, रोलेट एक्ट और सत्यपाल व सैफुद्दीन की गिरफ्तारी के खिलाफ एक सभा यहां पर कुछ लोग बैसाखी के मौके पर अपने परिवार के साथ मेला देखने भी पहुंचे थे, इस मौके पर अंग्रेजों ने कई भारतीयों पर अंधाधूंध गोलियां चला दी, हादसे में कई परिवार खत्म हो गए. कई बच्चे अपनी मां से बिछड़ गए. क्या बच्चे क्या औरतें क्या बूढ़े अनगिनत मासूमों की बली अंग्रेजों के हाथों चढ़ा दी गई. आज उसी शहादत की 104वीं बरसी है. जिसे हम जलियांवाला बाग हत्याकांड के नाम से याद करते हैं।उस दिन जलियांवाला बाग में अंग्रेजों की दमनकारी नीति, रोलेट एक्ट और सत्यपाल व सैफुद्दीन की गिरफ्तारी के खिलाफ एक सभा का आयोजन किया गया था. हालांकि इस दौरान शहर में कर्फ्यू लगा हुआ था. इसी कर्फ्यू के बीच हजारों लोग सभा में शामिल होने पहुंचे थे. कुछ लोग ऐसे भी थे जो बैसाखी के मौके पर अपने परिवार के साथ वहीं लगे मेले को देखने गए थे.जब ब्रिटिश हुकूमत ने जलियांवाला बाग पर इतने लोगों की भीड़ देखी, तो वह बौखला गए. ब्रिटिश हुकूमत को ये लगा कि कहीं हिन्दुस्तानियों के दिमाग में 1857 की क्रांति को दोबारा दोहराने की कोई प्लानिंग तो नहीं चल रही. ब्रिटिश हुकूमत ने सोचा कि ऐसी नौबत आए उससे पहले ही तमाम भारतीयों की आवाज को कुचल दिया जाना चाहिए, और ब्रिटिश हुकमरानों ने जुर्म की सारी हदें पार कर दी. इस दिन 5000 भारतीयों पर अंधाधूंध गोलियां चलाई गई .वहीं जनरल डायर ने अपने 90 ब्रिटिश सैनिकों के साथ जलियांवाला बाग की घेरा बंदी कर दी. उन्होंने वहां मौजूद लोगों को चेतावनी दिए बिना ही गोलियां चलानी शुरू कर दी. जनरल डायर को ही जलियांवाला बाग का दोषी माना जाता है. ब्रिटिश सैनिकों ने महज 10 मिनट में कुल 1650 राउंड गोलियां चलाईं. इस दौरान जलियांवाला बाग में मौजूद लोग उस मैदान से बाहर नहीं निकल सकते थे, क्योंकि बाग के चारों तरफ मकान बने थे. बाहर निकलने के लिए बस एक संकरा रास्ता था. भागने का कोई रास्ता न होने की वजह से लोग वहां फंस कर रह गए.

लाशों से भर गया था कुंआ

अंग्रेजों की गोलियों से बचने के लिए लोग वहां स्थित एकमात्र कुए में कुद गए. कुछ देर में कुआं भी लाशों से भर गया. जलियांवाला बाग में शहीद होने वालो का सही आंकड़ा आज भी पता न चल सका लेकिन डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में 484 शहीदों की लिस्ट है, तो जलियांवाला बाग में 388 शहीदों की लिस्ट है.

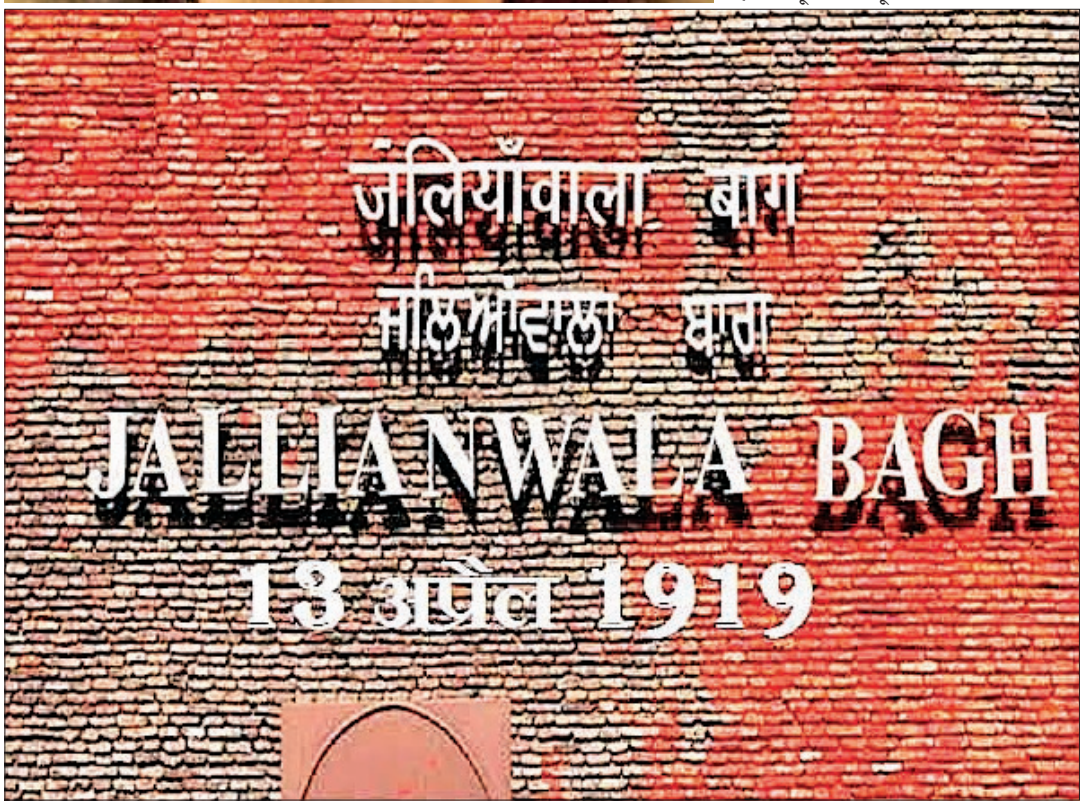

ब्रिटिश सरकार के दस्तावेजों में 379 लोगों की मौत और 200 लोगों के घायल होने का दावा किया गया. हालांकि आंकड़ों के मुताबिक, ब्रिटिश सरकार और जनरल डायर के इस नरसंहार में 1000 से ज्यादा लोग शहीद हुए थे और लगभग 2000 से ज्यादा भारतीय घायल हुए थे.

शहीद उधम सिंह जी ने लिया था जलियांवाला बाग हत्याकांड का बदला, इंग्लैंड जाकर जनरल डायर को मारी थी गोली

जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लेने के लिए 13 मार्च, 1940 को ऊधम सिंह लंदन गए. वहां उन?होंने कैक्सटन हॉल में डायर को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया. ऊधम सिंह को 31 जुलाई, 1940 को फांसी पर चढ़ा दिया गया. उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर का नाम उन?हीं के नाम पर रखा गया है.

भारत के इतिहास में जलियांवाला बाग हत्याकांड एक ऐसी घटना है जिसे सुन कर हर हिंदुस्तानी का खून उबाल मारता है. गुलाम भारत के इतिहास के पन्ने को पलटने पर आज भी जुर्म की वो दास्तां ताजी नजर आती है जिसे खून और आसूंओं से लिखा गया.।

अरूणाचल बना, राजीव के इरादों से

पटना । कांग्रेस दर्पण

\आओ तुम्हे बताता हूँ 56 का सीना क्या होता है..

बात बहुत पुरानी नही हैं। चीन एक बार फिर आंख दिखा रहा था, 1962 गिना रहा था। उसे 1967 याद दिलाने की जरूरत थी। यह 1986 था और भारत की ऊंची गद्दी पर इस वक्त बिंदास बन्दा बैठा था।

नाम था राजीव ..

सीमा पर दो कदम आगे, एक कदम पीछे होना चीन की नीति रही है। छल कपट, मीठी जुबान, सेना आगे बढाकर मानसिक दबाव डालना उसका तरीका रहा है। इसके पीछे सन 49 से ड्रेगन की एक ही मोटिव रहा है,

– अक्साई चिन बचाना।

अक्साई चिन से गुजरता हाइवे, काशगर– जिनजियांग और बीजिंग को जोड़ने वाली गर्भनाल है। उढएउ और पाकिस्तान जाने वाला काकोरम हाइवे भी यहीं से निकला है। चाऊ ने 59 में यह प्रस्ताव दिया– नेफा तुम्हारा मान लेते है, अक्साई चिन हमारा मान लो।

नेहरू नरम थे, मगर प्रस्ताव ठुकरा दिया। विदेशमंत्री बाजपेयी को भी यही प्रस्ताव मिला, मगर कुछ गड़बड़ कर पाते कि सरकार चली गयी। दोबारा सरकार में आयी इंदिरा से चीन ने ये बात कहने की हिम्मत ही नही की।

पर अब इंदिरा नही थी। राजीव का दौर था। यही प्रस्ताव फिर आया। उन्होंने ठुकरा दिया गया, तो चीन ने नेफा में गतिविधियां बढ़ा दी। रोज उनका जमावड़ा सीमा पर आगे बढ़ आता, हमे पेट्रोलिंग से रोकता। राजीव ने देश से कहा– ₹न कोई घुसा है, न घुस आया है₹

नही, ऐसा नही कहा। उन्होंने फोन उठाया।

पूर्वी कमान के मेजर जनरल जिमी ने आदेश का पालन करने के लिए खच्चर मांगे। सेनाध्यक्ष सुंदरजी से 1200 खच्चर मांगे। उस बन्दे के सेनापति से, जो भारत को कम्प्यूटर युग में ले जा रहा था, खच्चर मांगे गए। चीनी सीमा पर दोनों पक्ष हैवी इक्विमेंट्स और

आर्टिलरी इस्तेमाल नही करते। यही आपसी समझौते हैं। तो खच्चर मांगे गए।खच्चर नही दिए गए। बिल्कुल नही दिए गए। रशियन मेड हैवी लिफ्ट हेलीकाप्टर दिए गए। उसमे भरे बम, बंदूकें, बड़ी बड़ी गन्स, फौजी, राशन, फोर्टीफिकेशन के लिए समान, और उड़ चले तवांग से 90 किलोमीटर आगे उन पहाड़ियों में, जहां चीन हमे पेट्रोलिंग से रोकता था। फौजें अड़ा देता था। मिशन साफ था, उन पहाड़ियों पर कब्जा करना जो मैकमैहन लाइन के अनुसार हमारी थी। वी शैल टेक व्हाट वी क्लेम !!! एयरलिफ्ट की तारीख 18 से 20 अक्टूबर। 1962 में चीनी हमले की तारीख। फिल्मी दुनिया मे इसे स्टाइल कहते हैं। चीनी फौज को इस स्टाइल की हिम्मत की उम्मीद नही थी। एकाएक बड़ा इलाका हाथ से निकल गया। बगैर एक भी कैजुअल्टी के भारत को जीत मिली, और चीन को मात।

चीन बौखलाया, कूटनीति गर्म होने लगी। चीनी नेताओं ने लाल लाल आंख दिखानी शुरू की। डिएस्केलेट करने को दबाव आया। राजीव मुस्कुराए। एक चुम्बन, पूर्व की ओर उछालकर कहा – उखाड़ लो।

और नेफा का नाम अरुणाचल हुआ। उगते सूर्य का प्रदेश। और अरुणाचल प्रदेश को भारत के पूर्ण राज्य का दर्जा दे दिया !! दूसरी मात !!

तो अब नेफा के लोग भारतवासी थे। विद फुल इंडियन पासपोर्ट। अपनी स्टेट गवरमेंट बनाकर भारत के संविधान की शपथ ले रहे थे।

और बोलो..

भारत के इस सैनिक ऑपरेशन को जनरल सुंदरजी की भूमिका वही थी, जो 71 में सैम मानेकशॉ की थी। जनरल जिम्मी ने वही काम किया थे, जो जनरल जैकब ने 71 में किया। इस देश की सेना में सैम, सुंदरजी, हमीद, शैतान सिंह, सोमनाथ शर्मा, अर्जन सिंह, जैकब और जगजीत सिंह अरोड़ा तब भी थे, और आज भी हैं।

नही है तो देश की ऊंची कुर्सी पर इंदिरा जैसी ऊंची नाक, या राजीव जैसी दृढ़ मुस्कान। 56 इंच की पिलपिली छाती पर चीनी कालोनी बसा रहे हैं। नेता ₹कोई आया न–कोई घुसा₹ का राग अलाप रहे हैं।1962 और 1959 के किस्से निकालकर नेहरू की अचकन में मुंह छुपाने की कोशिश कर रहे हैं।

ब्लडी कावर्ड पिपुल .. !!

किसी सरकार को जब चीन का डर सताए, तो पूरी कैबिनेट को बैठकर सन 86 के ₹ऑपरेशन फाल्कन₹ की कहानी सुननी चाहिये। इसलिए कि शौर्य गाथाओं को सुनने से दिल का डर घटता है, हिम्मत बंधती हैं। पर क्या ये किस्से 56 इंच की पिलपिली छातियों में हिम्मत भर सकते है?? पता कीजिये, और यह किस्सा कॉपी कर इस सरकार के प्यादों और भक्तों तक भेजिये। उन्हें बताइये की 56 इंच का सीना ऐसा होता है।

जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र के रतनी बाजार गांव निवासी सूर्य देव यादव जी का असमय मृत्यु की खबर सुनकर शोकाकुल परिवार से मिलकर सांत्वना देते कांग्रेस नेता व कांग्रेस पार्टी के कुर्था प्रखंड अध्यक्ष राम विनय सिंह यादव

दी भागलपुर कॉपरेटिव बैंक के चैयरमेन पद पर दूसरी बार अमरपुर विधानसभा के पूर्व कांग्रेस विधायक प्रत्याशी श्री जितेंद्र सिंह के चुनाव जीतने पर असीम, अनंत, अशेष शुभकामनाएं।सुरेश प्रसाद यादव।

किसान विरोधी बयान देने पर भाजपा नेता अजय चंद्राकर का पुतला दहन....

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रायपुर /बिलासपुर :- किसानों के सम्मान में छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस उतरी मैंदान में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किसान कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने पुरे प्रदेश में ब्लांक से लेकर प्रदेश मुख्यालय रायपुर तक भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ धरना प्रदर्शन एवं भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ के मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर का पुतला दहन किया बिलासपुर के कार्यक्रम का नेतृत्व अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी माननीय आर सी पांडे जी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश महामंत्री श्री अकील हुसैन ने किया और रायपुर के कार्यक्रम का नेतृत्व किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष माननीय रामविलास साहु जी ने किया उनके सहयोगी के रुप में किसान कांग्रेस के प्रभारी महासचिव गौरीशंकर पांडे जी थे, रायपुर का कार्यक्रम अम्बेडकर चौंक रायपुर में सम्पन्न हुआ, रायपुर के अम्बेडकर चौक में जिले के सैकड़ों किसान एकत्रित होकर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ धरना प्रदर्शन एवं भाजपा प्रवक्ता अजय चंद्राकर जी का पुतला दहन किया।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामविलास साहु जी ने कहा कि जब से छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल जी की सरकार आई किसानों जीवन में खुशहाली लाई हैं, उन्होंने पहले किसानों के कर्ज माफ किया उसके बाद पांच

हास पावर तक बिजली बिल माफ किया 2500रुपया समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी किया और अब 15क्वींटल की जगह 20क्वींटल प्रति एकड़ धान की खरीदी करने का निर्णय लिया हैं जिसका किसान कांग्रेस स्वागत करती हैं।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव ने कहा कि किसानों की खुशहाली भारतीय जनता पार्टी को बर्दाश्त नहीं होती इसीलिए उन्होंने पहले अपने 15साल के शासन काल में किसानों का खुब शोषण किया रमन सरकार ने 2100रुपये प्रति क्विंटल में धान खरीदने और 270रूपये प्रति क्विंटल बोनस देने का वादा किया परन्तु उन्होंने वादा पूरा नहीं किया जिसके कारण किसानों की आर्थिक हालत भुखों मरने की नवबत आ गई और मदद की गुहार लेकर जब किसान मुख्यमंत्री निवास पहुंचे तो रमन सिंह ने उनकी कोई मदद नहीं किया इस निराशा में कई किसानों ने मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्महत्या किया और अब भूपेश राज में किसान खुशहाल हो रहीं हैं,उनकी बहुप्रतीक्षित मांग को पुरा करके छतीसगढ़ीया मुख्यमंत्री भूपेश भैया ने 20क्वींटल प्रति एकड़ धान खरीदने का निर्णय लिया तो आने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी हार के भय से भाजपा इस निर्णय का विरोध कर रहीं ऐसे किसान विरोधी भाजपा को प्रदेश के किसान एवं जनता आने वाले विधानसभा चुनाव में सबक सिखायेगी। उपरोक्त कार्यक्रम में मुख्य रुप से उपस्थित थे प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव योगेंद्र शर्मा ,सचिव लाल यादवेन्द्र सिंह बघेल जी,जिला महामंत्री दीपक सिंह,जिला प्रवक्ता विकास जी,जिला शहर उपाध्यक्ष जितेन्द्र पाठक जी,जिला संयुक्त महामंत्री कुलदीप सिह भल्ला,ब्लाक अध्यक्ष उत्तर विधानसभा अनुराग गुप्ता जी, सहित सैकड़ों की संख्या में प्रदेश,जिला, ब्लांक किसान कांग्रेस के पदाधिकारी एवं किसान कार्यकर्ता उपरोक्त कार्यक्रम में उपस्थित थे।

देश संविधान से चलता है किसी जाति धर्म संप्रदाय से नहीं :- राकेश राणा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

जय भारत सत्याग्रह यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत आज धनोल्टी विधानसभा क्षेत्र के जौनपुर थतयूड ब्लॉक सभागार में ब्लॉक कांग्रेस की बैठक ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी टेहरी गढ़वाल के अध्यक्ष राकेश राणा,प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मनमोहन सिंह मल्ल ,महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती आशा रावत प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बसंती भारती, पीसीसी सदस्य जोत सिंह रावत अखिलेश उनियाल ब्लॉक अध्यक्ष गंभीर सिंह नेगी सूर्यपाल सिंह पवार दर्शन लाल नौटियाल इंद्रदेव डोभाल जिला देवेंद्र सिंह राणा की उपस्थिति में संपन्न हुई

उपरोक्त कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल के अध्यक्ष राकेश राणा ने कहा कि कोई भी देश संविधान के अंतर्गत चलता है संविधान में हर जाति हर वर्ग हर धर्म संप्रदाय के लोगों को समान स्थान दिया गया है लेकिन आज भाजपा जाति धर्म के नाम पर देश को तोड़ना चाहती है उन्होंने कहा कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के हर वर्ग को अपने साथ लेकर

चलना चाहते हैं और यही कांग्रेस का संविधान बोलता है। भाजपा के लोगों ने विगत चुनाव में तरह-तरह के लुभावने वादे किए थे लेकिन आज धरातल पर कुछ भी नहीं है सिर्फ लोगों को गुमराह किया जा रहा है और नए नए नारे दे जा रहे हैं

प्रदेश महासचिव मनमोहन सिंह मल्ल और अखिलेश उनियाल ने कहा कि धनोल्टी विधानसभा विकास से कोसों पीछे हो गई है 15 सालों से यहां बिजली-सड़क-पानी की स्थिति बहुत खराब है प्रदेश में बेरोजगार नौजवान दर-दर की ठोकरें खा रहे।

प्रदेश सदस्य ज्योत सिंह रावत ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि धनोल्टी विधानसभा के लोगों को चिंतन मनन करना चाहिए कि हमने कैसे हाथों कैसे लोगों के हाथों में अपने क्षेत्र को सौंप दिया आज यहां का विकास ठप हो गया है गांव में हर घर नल हर घर जल योजना में भ्रष्टाचार हो रहा है ।

महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत और बसंती भारती ने कहा कि प्रदेश में आज महिलाएं सुरक्षित नहीं है अंकिता भंडारी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है आज भी अंकिता भंडारी के परिजनों को न्याय नहीं मिला गौरा देवी कन्या धन योजना में सरकार ने खूब भ्रष्टाचार किया है।

उपरोक्त कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के अध्यक्ष राकेश राणा प्रदेश महासचिव मनमोहन मल्ल, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बसंती भारती जिला अध्यक्ष श्रीमती आशा रावत पीसीसी सदस्य अखिलेश उनियाल , जोध सिंह रावत, सुरेंद्र रावत, दर्शन नौटियाल, जिला कांग्रेस के महासचिव देवेंद्र सिंह राणा श्रीपाल पंवार, गंभीर सिंह नेगी जी सकलाना अध्यक्ष, विजय सिंह गुसाईं, महिपाल रावत,इंद्र देव डोभाल, नंदकिशोर नौटियाल, दिनेश रावत, हरफूल विश्कर्मा, सुमन भारती, अमित बडियादी, आदित्य कोहली, लछमण कुमार, मोहित नौटियाल, संदीप सजवाण, मोहबत सिंह,महीपाल पंवार, सुरेश चौहान, बंसती भारती, मनोज गौड़, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे

जिस दिन उद्योगपतियों और पूजी पतियों से मेरा संबंध स्थापित होगा वह दिन मेरी राजनीति का अंतिम दिन होगा-अमरजीत भगत

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

सरगुजा :- मांजा और कालीपुर में प्रशासन के समस्या निवारण शिविर स्थगित होने के बाद कांग्रेस पार्टी ने उस शिविर को आभार रैली के रूप में बदलते हुए बतौली में बड़ा कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम में बतौली के जनपद पंचायत चौक से कार्यक्रम स्थल तक क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत पैदल चलते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। यहां पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं,कोटवार, चौकीदार,ग्राम पटेल और बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित थे। सभा स्थल पर 24 बेरोजगारों को रोजगार भत्ता स्वीकृत होने के आदेश और 25 सो रुपए का चेक प्रदान किया गया।

आभार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री और विधायक अमरजीत भगत ने कहा आज तक जो कुछ भी किया है वह कांग्रेस ने किया है। कोरोना काल से अब तक सभी को मुफ्त चावल प्रदान किया गया है और अगले दो वर्षों तक दिया जाएगा। जब परिवार के लोग मरीज का साथ नहीं देते थे, गांव वाले घर वालों का साथ नहीं देते थे, तब हमने मुफ्त में चावल,दवाई और अन्य सुविधा दी।

मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि भूपेश बघेल की सरकार ने आम जनता के लिए,आम नागरिकों के लिए वह सब काम किए जो आज तक किसी ने नहीं किया। *अमरजीत भगत ने आगे कहा कि जिस दिन मैं पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के

सामने सर झुका दूंगा,उस दिन मैं अपनी राजनीति समाप्त कर दूंगा। क्षेत्र की जनता के लिए मैं हर संभव प्रयास करूंगा और प्रयास करता रहा हूं। बतौली के गहिला से विधान सभा सीतापुर प्रारंभ होता है, बतौली ब्लॉक, सीतापुर ब्लॉक,मैनपाट और नवानगर के क्षेत्र में जितने भी सड़कें या विकास के कार्य हैं उनको अगर मैं भूमि पूजन करने लगूँ, रात दिन एक करने के बाद भी मुझे 1 महीने से ज्यादा समय लगेगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाना, कोटवारों को वेतन बढ़ाना,ग्राम पटेलों को ₹7000,बढ़ाई, राजमिस्त्री, भूमिहीनों इन सभी को ₹7000 देने का काम भूपेश बघेल की सरकार ने किया है। मैंने पिछले 20 वर्षों से क्षेत्र की जनता के लिए हर संभव कार्य किया है अगर आप सब को अच्छा लगता है तो आगे भी आप सब का आशीर्वाद मैं पाना चाहता हूं।चिरँगा क्षेत्र के लोगों को मैं यह बताना चाहता हूं कि मेरे पास पैसे नहीं है, तो मैं फैक्ट्री में पैसे कहां से लगाउंगा। आप सब के आशीर्वाद से मेरे बाल बच्चे सब सेटल हो गए हैं, मुझे आप सब की सेवा करनी है मुख्यमंत्री महोदय ने कहा है अगर क्षेत्र की जनता एलुमिनियम फैक्ट्री नहीं चाहती , तो एलुमिनियम फैक्ट्री नहीं लगेगी। कुछ लोग यह भ्रम फैला रहे हैं एलुमिनियम फैक्ट्री में मेरा पैसा लगा है यह पूर्णता गलत है और भ्रामक है।

कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने बतौली में सड़क चौड़ीकरण कार्य का किया भूमिपूजन.....विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल विकासखंड बतौली में भटको-करदना सड़क, चौड़ीकरण और निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों ने मंत्री श्री भगत का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। इसके पश्चात मंत्री श्री भगत बतौली में आयोजित किसान संगठन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, पटेल, कोटवार संघ, मितानिन और शिक्षित युवाओं के एक भव्य सम्मेलन में शामिल हुए। जहाँ उपरोक्त कर्मियों ने मानदेय बढ़ाए जाने और युवाओं ने बेरोज़गारी भत्ता योजना के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

मंत्री श्री भगत ने कहा कि : छत्तीसगढ़ सरकार ने गांव-गांव में विभिन्न निर्माण व उन्नय कार्यों द्वारा प्रदेश के उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। भटको से करदना मार्ग का चौड़ीकरण होने से यहाँ के विकास को नया आयाम मिलेगा। आवागमन सुगम होगा।

पिछले चार वर्षों में अभूतपूर्व निर्णय लिये गए जिसके बारे में इसके पहले 15 वर्षों के शासनकाल में नहीं सोचा गया। बतौलीवासियों को संबोधित करते हुए विश्वास दिलाया कि प्रदेश के मुखिया, उनके क्षेत्र के विधायक, कांग्रेस सरकार सदैव किसानों, ग्रामीणों, आदिवासी, युवाओं के लिए समर्पित रही है, आगे भी समर्पित रहेगी।

सभा को इरफान सिद्धकी,बदरुद्दीन एराकी,अटल यादव, तिलक बेहरा, सुरेश चंद्र गुप्ता, संदीप गुप्ता,प्रदीप गुप्ता पालु के साथ अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया

देश की आवाज़ राहुल गांधी

बेरोज़गारी के खिलाफ

महंगाई के खिलाफ

घोटाले के खिलाफ

अन्याय के खिलाफ

भेदभाव के खिलाफ

सुरक्षा से खिलवाड़ के खिलाफ